Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding construction of Kakarwaha Pick Up Weir project on River Dhasan in Madhya Pradesh -laid.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): मध्य प्रदेश के बुन्देलखण्ड का टीकमगढ़ जिला गरीब, पिछड़ा शोषित और उद्योग विहिन क्षेत्र है । यहां की 95 प्रतिशत आबादी की जीवन का प्रमुख स्त्रौत मात्र कृषि है । जिले की अधिकांश कृषि भूमि पथरीली है और वर्षा आधारित है । जिले में 12 महीनों जल धारण करने वाली अधिकांश नदियों पर एक भी बांध पिछले 66 वर्षों की अवधि में निर्मित नहीं हुआ है । जिससे यहां की नदियों का 90 प्रतिशत से अधिक पानी व्यर्थ रूप से बेतवा व यमुना नदी में बह जाता है और जिले के किसानों की जमीने सिंचाई के अभाव में सूखी रह जाती हैं । किसानों को अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए प्रति वर्ष महानगरों की ओर पलायन करना पड़ता है ।

धसान नदी मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के सागर, टीकमगढ़, छतरपुर जिलों से और उत्तर प्रदेश के ललितपुर, झांसी, हमीरपुर एवं जालौन जिलों की सीमांकन करती हुई अपने उद्गम स्थल जसरत पहाड़ी तहसील सिलवानी, जिला रायसेन से निकलकर 352 कि0मी0 उत्तर दिशा की ओर बहती हुई झांसी, हमीरपुर और जालौन जिलों के संधि स्थल के नीचे बेतवा में मिल जाती है । टीकमगढ़ जिले में 115 कि0मी0 तक बहने वाली धसान नदी का 40 प्रतिशत बहाव हिस्सा टीकमगढ़ जिले से होपर गुजरता है । जिसके ऊपर वर्तमान में कोई भी बांध निर्मित नहीं है । जिससे वर्षा काल में उसका सम्पूर्ण पानी व्यर्थ बह जाता है । सिंचाई के अभाव में यहां के किसानों को भुखमरी का शिकार होना पड़ता है ।

यहां के किसानों को अच्छी सुविधा प्राप्त हो इसके लिए धसान नदी के ककरवाह बांध/वराज/पिकअपविअर परियोजना का निर्माण अतिशीघ्र कराये जाने की आवश्यकता है ताकि यहां के सभी किसानों को सिंचाई हेतु लाभ प्राप्त हो सके ।